गोचारण को गोपाल चले

गोचारण को गोपाल चले,
आगे आगे बृज का गोधन, पीछे नंद के लाल चले।।

मोर मुकुटधर ओड़ कमरिया, निकले कृष्ण कन्हेया।
कर प्रदक्षिणां नमस्कार कर, चले हरि ले गेया ।।
नंगे पांव ले बछड़े गैया, मधुबन को गोपाल चले-गो०

गोभक्त गोरक्षक भगवन, गोविन्दा गोपाला।
नंदजी का गोवंश चलाने, बन गए गोकुल ग्वाला ।।
गोदर्शन गोआरती पूजा, सुमिरन से ग्रहचाल टले-गो०

आगे आगे बछड़े गैया, पीछे कृष्ण कन्हैया ।
जब जब श्याम बजावे बंसी, मुड़ मुड़ देखें गैया ।।
'मधुप' हरि के बाल सखा सब, देवें हाथ से ताल-गो०

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36916/title/gocharan-ko-Gopal-chale

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |